भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1192
उत्तर देने की तारीख 08.12.2025

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची

1192. श्री प्रवीण पटेल :
श्रीमती कृति देवी देबबर्मन :
कैप्टन बृजेश चौटा :
श्री जगदम्बिका पाल :
श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही :
श्री नव चरण माझी :
श्री राजकुमार चाहर :
श्री भर्तृहरि महताब :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विशेषकर कंधमाल लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित ओडिशा की हाशिए पर पड़ी, जनजातीय और कम-ज्ञात सांस्कृतिक परंपराओं के दस्तावेजीकरण, संरक्षण और संवर्धन के लिए संगीत नाटक अकादमी द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) की राष्ट्रीय सूची को समय पर अद्यतन करने के लिए कदम उठाए हैं;

(ख) गुरु-शिष्य परंपरा योजना, यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) नामांकन प्रक्रियाओं और क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों (जेडसीसी) के युवा-उन्मुख कार्यक्रमों जैसी विभिन्न सरकारी पहलों के अंतर्गत हुई प्रगति और आरंभ की गई पहलों और संस्वीकृत अनुदानों का ब्यौरा क्या है और लुप्तप्राय कलाओं के संरक्षण में उनकी प्रभावशीलता क्या है;

(ग) क्या देश, विशेषकर ओडिशा के क्षेत्रीय सांस्कृतिक निकायों, सांस्कृतिक व्यवसायियों, संगठनों और हितधारकों को उक्त योजनाओं के अंतर्गत शामिल या समर्थित किया गया है और उक्त कार्यक्रमों/पहलों की गतिविधियों को किस प्रकार डिजिटल रूप से दस्तावेजित किया जाएगा और राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर साझा किया जाएगा;

(घ) अब तक विशेषकर उत्तर प्रदेश से, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त भारतीय सांस्कृतिक प्रथाओं की सूची क्या है; और

(ङ) बौद्ध सर्किट संरक्षण कार्यों, पर्यटन संवर्धन पहलों का ब्यौरा और राज्य-जिले में बौद्ध विरासत स्थलों की राष्ट्रीय या यूनेस्को-संबंधित मान्यता के लिए विचाराधीन किसी प्रस्ताव के अंतर्गत बौद्ध के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी हाँ। संस्कृति मंत्रालय संगीत नाटक अकादेमी के माध्यम से अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) की राष्ट्रीय सूची का समय पर अद्यतन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। इस सूची में देश भर के आईसीएच तत्व का प्रलेखन और परिरक्षण शामिल हैं।

(ख): संस्कृति मंत्रालय भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण और संवर्धन करने के लिए देशभर में विभिन्न स्कीमों को क्रियान्वित कर रहा है। गुरु-शिष्य परंपरा स्कीम नाटक समूह, रंगमंच समूह, संगीत मंडलियों, बाल रंगमंच आदि जैसी सभी तरह के रंगमंच कला कार्यकलापों और गुरु-शिष्य परंपरा के अनुरूप कलाकारों को उनके गुरु द्वारा नियमित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। संस्कृति मंत्रालय ने देश भर में भारत की लोक कलाओं तथा संस्कृति का परिरक्षण और संवर्धन करने के लिए सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों (जेडसीसी) की स्थापना की है। ये केन्द्र, जिनका मुख्यालय पटियाला, नागपुर, उदयपुर, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर और तंजावुर में है, क्षेत्रीय सांस्कृतिक विविधता की रक्षा, प्रचार-प्रसार और विकास करने, युवाओं को शामिल करने और विलुप्त हो रहे कला रूपों को प्रलेखित करने का काम करते हैं।

यूनेस्को के नियमों के अनुसार, प्रत्येक दो वर्ष के चक्र में यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल करने के लिए एक नामांकन प्रस्तुत किया जाता है। वर्ष 2025-26 के चक्र के लिए, दीपावली को आईसीएच सूची में शामिल करने हेतु नामांकित किया गया है। छठ महापर्व को 2026-27 के सत्र के लिए नामांकित किया गया है।

(ग): देश भर में सांस्कृतिक कार्यकलापों के संवर्धन के लिए संस्कृति मंत्रालय के अधीन 43 संगठन हैं। विवरण **अनुलग्नक-I** पर दिया गया है। पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र (ईजेडसीसी) "गुरु-शिष्य परंपरा" स्कीम जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पहलों का आयोजन करता है जिसमें ओडिशा के पारंपरिक कला रूप जैसे गोतिपुआ नृत्य और पाइका अखाड़ा शामिल हैं।

(घ): भारत में अभी यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में 15 तत्व शामिल हैं, जिसमें 2017 में उत्तर प्रदेश का कुंभ मेला भी शामिल है। छठ महापर्व को वर्ष 2026-27 हेतु आईसीएच सूची हेतु नामांकित किया गया है। इन तत्वों का विवरण **अनुलग्नक-II** पर दिया गया है।

(ड.): पर्यटन मंत्रालय अपनी केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीमों के माध्यम से बौद्ध पर्यटन के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। 'बौद्ध सर्किट' को स्वदेश दर्शन स्कीम के तहत विकास के लिए विषयगत सर्किटों में से एक के रूप में चिन्हित किया गया है। संस्कृति मंत्रालय के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) वार्षिक संरक्षण कार्यक्रम के तहत संरक्षित बौद्ध स्थलों सहित विभिन्न स्मारकों का संरक्षण और परिरक्षण कार्य करता है।

लद्दाख की बौद्ध मंत्रोच्चारण परंपरा: हिमालय-पार लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, भारत में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (आईसीएच) की प्रतिनिधि सूची में शामिल है।

अनुलग्नक-I

'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची' के संबंध में दिनांक 08 दिसम्बर 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1192 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

संस्कृति मंत्रालय के नियंत्रणाधीन संबद्ध/ अधीनस्थ कार्यालयों और स्वायत्त संगठनों की सूची

क्र. सं.	संगठन
1.	भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
2.	राष्ट्रीय अभिलेखागार
3.	राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय
4.	राष्ट्रीय संग्रहालय
5.	राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला
6.	केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय
7.	राष्ट्रीय पुस्तकालय, बेल्वेडियर
8.	भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण
9.	राष्ट्रीय संस्मारक प्राधिकरण
10.	इलाहाबाद संग्रहालय
11.	एशियाटिक सोसाइटी
12.	सांस्कृति स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
13.	केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान
14.	केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय
15.	केंद्रीय हिमालयी संस्कृति अध्ययन संस्थान
16.	दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी
17.	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति
18.	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय
19.	भारतीय संग्रहालय
20.	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र
21.	खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी
22.	कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान
23.	ललित कला अकादेमी
24.	मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

25.	राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद
26.	प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय
27.	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
28.	भारतीय विरासत संस्थान
29.	नव नालंदा महाविहार
30.	राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान
31.	रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
32.	संगीत नाटक अकादेमी
33.	साहित्य अकादेमी
34.	सालार जंग संग्रहालय
35.	विक्टोरिया मेमोरियल हॉल
36.	राष्ट्रीय संस्कृति निधि
37.	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र
38.	दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र
39.	दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र
40.	उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र
41.	पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र
42.	पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र
43.	उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र

अनुलग्नक-II

'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची' के संबंध में दिनांक 08 दिसम्बर 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1192 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में शामिल भारतीय आईसीएच धरोहर

क्र. सं.	आईसीएच धरोहर	शामिल किए जाने का वर्ष	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
1.	वैदिक मंत्रोच्चारण की परंपरा	2008	सभी राज्य
2.	रामायण की पारंपरिक प्रस्तुति, रामलीला	2008	सभी राज्य
3.	कूड़ियाट्टम, संस्कृत रंगमंच	2008	केरल
4.	गढ़वाल हिमालय, भारत का धार्मिक उत्सव और अनुष्ठान रंगमंच, रम्मन	2009	उत्तराखंड
5.	केरल का धार्मिक संस्कार संबंधी रंगमंच और नृत्य नाटक, मुडियेट्ट	2010	केरल
6.	राजस्थान के कालबेलिया लोक गीत और नृत्य	2010	राजस्थान
7.	छऊ नृत्य	2010	पूर्वी भारत (पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा)
8.	लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चारण: हिमालय-पार लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, भारत में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का सस्वर पाठ	2012	संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख, संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर
9.	मणिपुर का अनुष्ठान गायन, ड्रम वादन और नृत्य, संकीर्तन	2013	मणिपुर
10.	जनदियाला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों द्वारा पीतल और तांबे के बर्तन बनाने की पारंपरिक कला	2014	पंजाब
11.	योग	2016	सभी राज्य
12.	नौरूज़, नॉवरूज़, नौरूज़, नौरिज़, नूरूज़, नौरूज़, नवरूज़, नेवरूज, नौवरूज़	2016	सभी राज्य
13.	कुम्भ मेला	2017	उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश
14.	कोलकाता में दुर्गा पूजा	2021	पश्चिम बंगाल
15.	गुजरात का गरबा	2023	गुजरात

*****